राष्ट्रीय प्रतिरक्षा रूधिर विज्ञान संस्थान

(चिकित्सालयीन प्रयोगात्मक इम्युनोलॉजी विभाग)

कई बिमारियों की नकल और अपरिचित 'शकलवाली' बिमारी ः लुपस

लुपस क्या है?

मरीज के शरीरमें पैदा होनेवाले ॲण्टीबॉडी विविध संस्था और अवयवोंके खिलाफ काम करते है अधिकतर मात्रांमे लुपस औरतोंमे पाया जाता है (८० % -९० %)

- इसका प्रभाव उमरके २०–४० साल के बीच के अधिक प्रमाण मे पाया जाता है
- लुपस के कारणोमें अनुवंशिकता, पर्यावरण और शरीरमे पैदा होनेवाले संप्रेरक आदि का समावेश है

लुपस के कारण

- शरीरमें जब बाहरसे किसी जिवाणूका प्रवेश होता है तो उसका प्रतिकार करनेका कार्य शरीरमे पैदा होनेवाले प्रतिपिंड **(antibodies)** करते है
- लुपस बिमारी में सामान्य पेशी के खिलाफ प्रतिपिंड कार्य करते है और उनको प्रतिपिंड कार्य करते है और उनको स्वप्रतिपिंड **(autoantibodies)** कहा जाता है
- शरीरके महत्वपूर्ण अवयव जैसे हृदय, फेफडे, गुर्दे , मस्तिष्क , चमडी और शरीरके विविध जोड कमजोर हो जाते है और उनके कार्य मे बाधा उत्पन्न होती है

लुपस के लक्षण

- बुखार (बहोत दिन चलनेवाला और उपायोंके बावजूद बार बार उत्पन्न होनेवाला)
- थकान कमजोरी बदन दर्द
- त्वचामें बदलाव शरीरके खुले भागोंपर सुर्यकिरनसे खुजली लाली या सुजन होना
- मुँहमे छाले आना
- बालोंका झडना
- चेहरा और पैरों पर सूजन आना , पेशाबकी मात्रा मे कमी होना
- फेफडे, हृदय या पेट मे पानी जमा होना
- पक्षाघात (paralysis), आकडी, मनोविकार
- पंडूरोग (ॲनिमिया) जिसमे लाल , सफेद पेशी और खून जमनेमे मददगार प्लेटलेट्स मे कमी आना इनमेसे कई लक्षण एकसाथ या अलग अलग समयपर दिखाई देते है

लुपसके परिणाम

- रक्तदाब ब्लडप्रेशर
- हृदयविकार
- गुर्दोंके कार्यक्षमता मे कमी आना
- जंतूसंसर्ग प्रतिकार शक्ती मे कमी टी . बी . जैसी बिमारीयोंसे खतरा
- हड्डीयों मे कमजोरी , हलकी चोट भी हड्डीयोंके टूटनेकी संभावना
- मानसिक कमजोरी
- इनमेसे कोई भी लक्षण नजर आने पर तुरन्त तज्ज्ञ डॉक्टरोंकी मददसे दवाईयॉ लेना जरूरी है

लुपसका निदान

प्रयोगशालामे खूनकी जॉचसे लुपसका पता लग सकता है

ANA, Anti-dsDNA, ANCA, ANA-BLOT

C3, C4, CRP

CBC

पेशाब की जॉच

पेशाब (२४ घंटे जमा की हुई) में मौजूद प्रोटिन्स

X-ray सोनोग्राफी **CT-MRIScan**

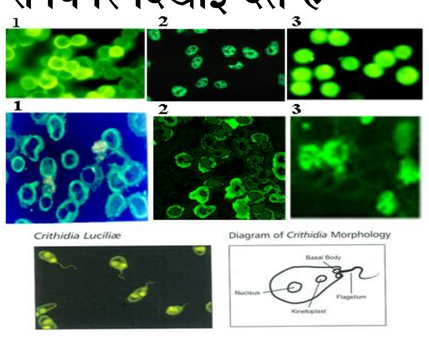

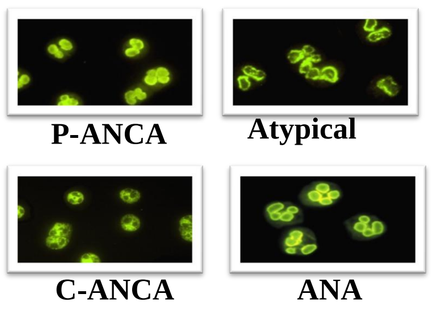

औषधोपचार

प्रेडनिसोलॉन

हायड्रॉक्सिक्लोरोक्विन

कॅल्शिअम, व्हिटामिन डी

फोलीक ॲसीड

सायक्लोफॉस्फामाईड (एन्डॉक्सान)

मायकोफिनोलेट

रिटुक्सिमॅब इंजेक्शन

डायलिसिस

खबरदारीके उपाय

- शुद्ध आहार
- उबला हुआ पानी
- तज्ज्ञ डॉक्टरोंकी सलाहसे स्नायू और हड्डियोंकी कसरत
- वक्तपर डॉक्टरोंसे जॉच करवाना
- दवाईयोंका नियमित सेवन

किससे बचे ?

- सूरज की तेज रोशनी
- जंतुसंसर्ग
- किसी वजह से दिये गये हॉर्मोन्सकी दवाई
- मोटापा
- गर्भधारणा
- लाल मांसका सेवन (मटन-बकरे या बैल का मांस)

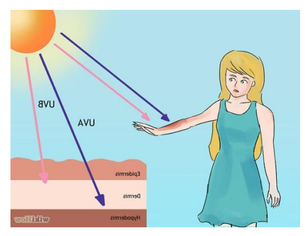

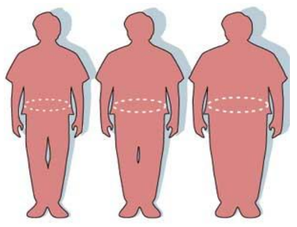

आहार

- आहारमे , कार्बोहायड्रेट्स , प्रोटिन्स विटामिन्स और मेदयुक्त पदार्थ फॅट्स का प्रमाणित अंतर्भाव
- हरी सब्जिया फल व अंड़ोंका सफेद भाग दूध व दुग्धजन्य पदार्थ
- जिन मरिजो मे गुर्दो की बिमारी है उन्हें खाने में नमक की मात्रा कम रख़नी चाहिए और फलोंका सेवनभी कम करना चाहिये कम मात्रा में मांसाहार करना चाहिये

लुपसकी मरीजोंको पूरी तरहसे तंदुरूस्त होने की संभावना कम होती है स्वास्थ्य मे उतार चढाव होते रहते है . वक्तपे निदान और नियमित उपचारसे बीमारीपे काबू पाया जा सकता है . तज्ञ डॉक्टरोंकी मदद और घरवाले , रिश्तेदार , दोस्तोंका मानसिक सहारा लूपसके मरीजोंको बिमारीसे लड़ने में मददगार साबित होता है